

प्रेषक,

डा० रणवीर सिंह,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
मत्स्य विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-03 (मत्स्य)

देहरादून, दिनांक: 31 अगस्त, 2015

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु केन्द्रपोषित शीतजल मात्स्यिकी विकास योजना के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति जारी किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या-734/शी०मा०का०वि०/2015-16 दिनांक 31 जुलाई, 2015 11.11.2014 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। आपके द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2015-16 में मत्स्य विभाग की शीत जल मात्स्यिकी का विकास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 हेतु ₹ 80.00 लाख के सापेक्ष संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार केन्द्रांश धनराशि ₹ 37.44 लाख व राज्यांश धनराशि ₹ 12.48 लाख इस प्रकार कुल ₹ 49.92 लाख (₹ उन्नचास लाख, बयानबे हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखते हुए आहरित कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015, दिनांक 01.04.2015 में दिये गये दिशा-निर्देशों एवं प्रतिबंधों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
2. अवमुक्त की जा रही धनराशि से मात्र योजना से संबंधित कार्य ही कराये जायेंगे एवं ऐसे कार्य न कराये जाएं जिन हेतु राज्य सैक्टर में अलग से योजना उपलब्ध है योजना से इतर कार्य के कराये जाने पर संबंधित अधिकारी उत्तरदायी होंगे।
3. कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत/कराये न गये हों।
4. अवमुक्त की जा रही धनराशि को संलग्न विवरणानुसार वितरित कर आहरण एवं वितरण अधिकारियों तथा शासन को अवगत कराया जायेगा।
5. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो समक्ष अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए। शासन द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन अवश्य किया जायेगा।
6. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा पर प्रतिमाह की 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-08 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
7. अवमुक्त की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2016 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति लाभार्थियों की सूची शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।

8. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
 9. विभिन्न मदों में व्ययभार/देयता सृजित होने पर यथाशीघ्र धनराशि आहरित कर भुगतान की जायेगी एवं कोई भी भुगतान अनावश्यक लम्बित नहीं रखा जायेगा, ताकि मासिक आधार पर व्यय की सूचना परिलक्षित होने से अनुपूरक मांग के समय सही निर्णय लिया जा सकेगा।
 10. किसी भी क्रय/विक्रय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, (समय-समय पर यथा संशोधित) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-01, (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग (लेखा नियम), आय-व्यय संबंधी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय साथ ही मितव्ययता संबंधी आदेशों, डी0जी0एस0एन0डी0 की दरें, टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जाये।
 11. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जाय।
- 2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2405-मछलीपालन-101-अन्तर्देशीय मछली पालन-01-केन्द्रीय आयोजनागत /केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना (75 % के0स0)-02 शीत जल मात्स्यिकी का विकास (75 % केन्द्रांश)-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज्य सहायता के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII-(1)/2015, दिनांक 01.04.2015 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(डा० रणबीर सिंह)

प्रमुख सचिव

संख्या- 3115(1)/XV-3/2015-03(74)/2004(मत्स्यबजट) तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड (जनपद ऊधमसिंह नगर एवं हरिद्वार को छोड़ कर)।
4. कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. निजी सचिव, मा० मंत्री, मत्स्य को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु प्रेषित।
7. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(महावीर सिंह चौहान)

रक्ष सचिव

शासनादेश संख्या- ।। /XV-3/2015-03(74)/2004(मत्स्यबजट) , दिनांक 3/अगस्त, 2015
का संलग्नक

शीत जल मात्स्यिकी का विकास योजनान्तर्गत रनिंग वाटर फिस कल्चर यूनिटों के निर्माण हेतु
भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों का निर्धारण वर्ष 2015-16

क्र०सं०	जनपद का नाम	यूनिटों की संख्या (100 वर्ग मी०/यूनिट)	आवंटित धनराशि (₹ लाख में)
1.	देहरादून	39 (0.39 है०)	4.68
2.	टिहरी	40 (0.40 है०)	4.80
3.	उत्तरकाशी	40 (0.40 है०)	4.80
4.	पौड़ी	40 (0.40 है०)	4.80
5.	चमोली	30 (0.30 है०)	3.60
6.	रूद्रप्रयाग	15 (0.15 है०)	1.80
7.	अल्मोड़ा	44 (0.44 है०)	5.28
8.	बागेश्वर	44 (0.44 है०)	5.28
9.	पिथौरागढ़	40 (0.40 है०)	4.80
10.	चम्पावत	44 (0.44 है०)	5.28
11.	नैनीताल	40 (0.40 है०)	4.80
योग-		416(4.16 है०)	49.92

(डा० रणबीर सिंह)
प्रमुख सचिव